

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

ONE

HUNDRED RUPEES

रु 100



भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL



Photolan  
Identification  
80 818 944

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

चन्द्रभान सिंह चैस्टियल ट्रस्ट

ट्रस्ट-विलेज

1. मैं यशो वंशज कुमार सिंह पुत्र राजा चन्द्रभान सिंह, गिवासी 409/2752/2 न्यू सोहयतिग्राम, जलमर-इलाहाबाद (2090) अपने पुराने गिवासी जी के स्मृति में उनके द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों के उत्थान के लिए विभिन्न प्रकार के शैक्षिक एवं सामाजिक कल्याणकारी कार्य हेतु एक ट्रस्ट में निर्माण कर रहा हूँ।

जिसका आरंभ दिनांक 24.08.2014 को मैं यशो वंशज कुमार सिंह ट्रस्टकारों के रूप में रुपये 11,000/- (ग्यारह हजार रुपये मात्र) प्रदान कर चन्द्रभान सिंह चैस्टियल ट्रस्ट" सृजित करता हूँ, उपरोक्त राशि ट्रस्ट कोष के रूप में अस्तित्व स्थायी सम्पत्ति होगी। ट्रस्ट में अधिकतम सात (7) कार्यकारी ट्रस्टी होंगे। ट्रस्ट का एक आजीवन मैनेजिंग ट्रस्टी होगा। किसी ट्रस्ट की ओर से सम्पत्तियों के अर्थ-विक्रय करने, विभागे पर देने व लेने, लीज पर देने व लेने तथा अनुदान लेने व देने के अधिलेखों पर निर्णय एवं हस्ताक्षर करने एवं राष्ट्रीय बैंक/ वित्तीय संस्था में धन लेने का विधिक/न्यायिक अधिकार होगा। मैनेजिंग ट्रस्टी को अन्य ट्रस्टियों को नियुक्त करना, ट्रस्ट संकटन का गठन करना, ट्रस्टियों को हटाने तथा ट्रस्टी मण्डल को भंग करने की संसक्ति पर पुनः गठन का अधिकार होगा।

मैं यशो वंशज कुमार सिंह, ट्रस्ट चन्द्रभान सिंह चैस्टियल ट्रस्ट का आजीवन मैनेजिंग ट्रस्टी रहूँगा। मेरे बाद मैनेजिंग ट्रस्टी का पदन सौंप ट्रस्टियों द्वारा सर्वसम्मत अल्पतम 3/4 के बहुमत से होगा।

2. ट्रस्ट का नाम - "न्यू चन्द्रभान सिंह चैस्टियल ट्रस्ट" होगा।

3. ट्रस्ट का मुख्यालय 409/2752/2 न्यू सोहयतिग्राम, पोस्ट-आलापुर, जलमर-इलाहाबाद (2090) तथा इगलन आरंभिक सम्पूर्ण मातृकार्य होगा। आवश्यकतानुसार मैनेजिंग ट्रस्टी को प्राप्त यह अधिकार होगा कि यह ट्रस्ट के मुख्यालय को किसी अन्य स्थान पर परिवर्तित कर सकता है। ट्रस्ट के सदस्यों के लिए मैनेजिंग ट्रस्टी ट्रस्ट की ओर की सार्व-कार्यालय मातृकार्य में तथा विदेशों में किसी भी स्थान पर अंतर्गत व बाह्य जल्लो एवं स्थान परिवर्तित करने का भी विधिक अधिकार होगा।

Yashwanth Kumar Singh

100/10/10

22-2-2018

क्र. 242 ..... विद्यालय विभाग की विधि.....

विद्यार्थी का नाम.....

विद्यार्थी का पता.....

विद्यार्थी की उम्र.....

विद्यार्थी का पता.....

विद्यार्थी का पता.....

विद्यार्थी का पता.....

विद्यार्थी का पता.....

Handwritten notes in a box, possibly a list or schedule, with some illegible text.



# भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100



ONE HUNDRED RUPEES

100

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

5) उत्तर प्रदेश  
05 AUG 2014  
भारत  
VEN

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BD 819795

### 4-ट्रस्ट के उद्देश्य

1. शिक्षा के प्रचार-प्रसार हेतु प्राथमिक विद्यालय, माध्यमिक विद्यालय, तकनीकी विद्यालय, विद्यालय-प्रमाणिक कॉलेज, महाविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, मैनेजमेंट कॉलेज, विधि कॉलेज, बीएड/बीएड कॉलेज, पालीटेकनिक कॉलेज, फार्मसी कॉलेज, बायोटेक संस्थान, डिप्लोमा/पॉलिटेक कॉलेज एवं अन्य वैश्विक महाविद्यालय आदि को स्थापित करने एवं संचालित करना।
2. मरीम/निर्माण छात्र एवं छात्राओं के लिए छात्रावासों का निर्माण करना, कृदाश्रम एवं अनाश्रमालय का निर्माण एवं व्यवस्था करना।
3. थियेट्रिकल, नर्तन, संगीत, फीटचरिटी गान, मेडिकल स्टोर आदि का निर्माण एवं संचालित करना।
4. स्वास्थ्य शिविरों का संचालन करना, स्वास्थ्य शिविरों का प्रचार-प्रसार करना इसके लिए सेमिनार, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण, शिक्षण आदि की व्यवस्था करना।
5. ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता शिक्षा का प्रचार करना।
6. निष्कलांग केंद्रों की स्थापना एवं संचालन करना।
7. महिला एवं पिछड़े/पगलोर वर्ग के लोगों को उत्थान हेतु कुटीर परियोजनाओं को स्थापित कर उन्हें आत्म-निर्भर बनाना।
8. अन्य समितियों/उप-ट्रस्ट द्वारा संचालित विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं अन्य वैश्विक शिक्षण संस्थाओं का संचालन करना एवं संचालन करना।
9. धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक परियोजनाओं का आयोजन तथा उनका प्रवर्धन करना।
10. शिक्षा और अनुसंधान के प्रसार के लिए सभासद, व्याख्यान, वाद-विवाद तथा चर्चा, सेमिनार का आयोजन करने के लिए इंजीनियरों, डाक्टरों और शोधकर्ताओं के अंतरराष्ट्रीय गठबंधन (International Alliance of Engineers, Doctors and Researchers) (IAEDR) का निर्माण करना तथा इसे देश व विदेशों में संचालित करना।
11. शिक्षा और अनुसंधान के प्रसार के लिए साहित्य, शोध-पत्र, पत्रिकाओं, सम्मेलन कार्यावाही पुस्तकों का संचालन एवं प्रकाशन करना इसे देश व विदेशों में संचालन करना तथा आम-विक्रय करना।



पंचक शुभाचल सिंह

20/10/21

293 22-2-2018

राज्य का पञ्जीकृत...

राज्य सेवा का नाम...

राज्य की पञ्जीकृत...

राज्य सेवा नियम...

विशेषी कोषों में...

पञ्जीकृत... 1070... 10/10/2018... 20/10/2018

राज्य सेवा का नाम... 20/10/2018... 10/10/2018

राज्य सेवा का नाम... 20/10/2018... 10/10/2018



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BO 819796

12. ट्रस्ट के उद्देश्य की पूर्ति के लिए दान, ऋण, सामग्री, अनुदान आदि धन या वस्तु को रूप में प्राप्त करना।
13. सामाजिक स्वार्थों के लिए कार्य करना।
14. महिला, युवा, बाल एवं वृद्धों के कल्याण हेतु प्रशिक्षण एवं संजगर समुच्च कार्यक्रमों का आयोजन एवं संचालन करना।
15. समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले गहनानुभावी के सम्मान में शोधियों का आयोजन करना तथा उन्हें स्मृति-पदक देकर सम्मानित करना।
16. अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन एवं संचालन करना।
17. विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों, स्वयंसेवी संस्थाओं राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों, राष्ट्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय संस्कारों एवं गैर सरकारी संस्थाओं से सम्पर्क स्थापित कर मानव विकास हेतु के लिए मिलकर कार्य करना तथा उपरोक्त संस्थाओं से दान, सहयोग एवं अनुदान राशि प्राप्त करना तथा उसे ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु क्रिये गये कार्यों में व्यय करना।
18. शिक्षण एवं तकनीकी विकास हेतु शोध-प्रशिक्षण, गोष्ठी, संगिनार एवं सम्मेलनों का आयोजन एवं प्रचार सम्बन्धी गतिविधियों का संचालन करना।
19. शिक्षण एवं तकनीकी विकास हेतु शोध-पत्र, पत्रिकाओं, सम्मेलन कार्यक्रमों पुराण, शोध-परिचालनों और पुस्तकों का सम्पादन एवं प्रकाशन करना तथा इसे देश व विदेशों में वितरण तथा उप-विक्रय करना।
20. ट्रस्ट की आय के स्रोत:-

ट्रस्ट की आय संचालन समिती के रूप में जमा राशि एवं उसका व्याज, नानाजि, सरकारी एवं अर्द्धसरकारी संस्थाओं द्वारा अनुदान, जल-प्रतिष्ठानों द्वारा दी गयी सहायता राशि, प्रतिष्ठानों द्वारा प्रदत्त भत्ता-अपल सहायि, धन प्रतिष्ठानों द्वारा दी गयी सदस्यता शुल्क, ट्रस्ट द्वारा संचालित संस्थाओं द्वारा प्राप्त करराशि तथा ट्रस्ट की अन्य सहायिओं एवं कार्यों से प्राप्त करराशि आदि से होगी। जिसका उपयोग ट्रस्ट के उद्देश्यों एवं ट्रस्ट के विस्तार कार्यों में किया जायेगा। ट्रस्ट की समस्त आय किसी नाम्ता प्राप्त राष्ट्रीय बैंक में ट्रस्ट के नाम प्रदा खाता/बचत खाता खोलकर रखा जायेगा। इस खाते का संचालन ट्रस्टी लम्बन के अध्यक्ष एवं कार्यवाह के संयुक्त हस्ताक्षर से होगा।



*Handwritten signature or name in Hindi script.*

10/11/2015

25/11/2015

पत्र सं. 90, राज्य सेवा वि. वि. वि.

राज्य सेवा का पत्रिका

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

Handwritten notes and signatures in the top right corner.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

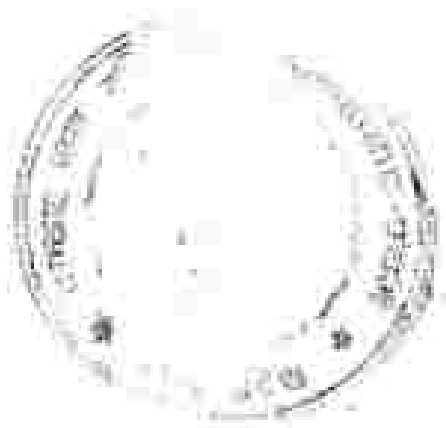
राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.

राज्य सेवा का वि. वि.





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BD 819797

**6. ट्रस्ट का गठन:**

ट्रस्ट के उद्देश्यों में आस्था रखने वाले मालगुमान, जो इस प्रकार है-

क्र. सं.	ट्रस्टी का नाम	पिता/पत्नी का नाम	पद नाम	पता
1.	श्री. राजेश कुमार सिंह	श्री. रामचरण सिंह	निर्वाहक ट्रस्टी	बस/अगर/1 नू राजकीयबजार, फीर-अलाहाबाद, जयपुर-इलाहाबाद
2.	श्रीमती इन्दुबाई सिंह	श्री. रामचरण सिंह	ट्रस्टी सचिव	बस/अगर/2 नू राजकीयबजार, फीर-अलाहाबाद, जयपुर-इलाहाबाद
3.	श्रीमती. निरु सिंह	श्री. राजेश कुमार सिंह	ट्रस्टी	बस/अगर/3 नू राजकीयबजार, फीर-अलाहाबाद, जयपुर-इलाहाबाद
4.	श्री. निरु कुमार सिंह	श्री. रामचरण सिंह	ट्रस्टी	बस/अगर/2 नू राजकीयबजार, फीर-अलाहाबाद, जयपुर-इलाहाबाद
5.	श्री. रामचरण सिंह	श्री. रामचरण सिंह	ट्रस्टी	राजकीय बुर्ज, बागौर, इलाहाबाद
6.	श्री. इंदिरा सिंह	श्री. रामचरण सिंह	ट्रस्टी	जयपुर पीठ-राजपुराबाद, इलाहाबाद
7.	श्री. अरवि कुमार सिंह	श्री. रामचरण सिंह	ट्रस्टी	पीठ- राजकीय, फीर-अलाहाबाद, जयपुर-इलाहाबाद

उपरोक्त 7 (सप्त सात) ट्रस्टी इस ट्रस्ट के आजीवन ट्रस्टी होंगे, जो वर्तमान ट्रस्टी मण्डल का गठन करेंगे।

**7- ट्रस्टियों की नियुक्ति:**

वर्तमान आजीवन ट्रस्टियों के अतिरिक्त नये ट्रस्टियों/रिक्त ट्रस्टियों के पदों पर 18 वर्ष से अधिक आयु एवं ट्रस्ट के उद्देश्यों में रुचि रखने वाले समस्त के हर वर्ग के व्यक्तियों को मैनेजिंग ट्रस्टी, ट्रस्टी नियुक्त कर सकता है।

**8. ट्रस्टी मण्डल (Governing Board of Trustee) का गठन एवं उद्देश्य:**

1. ट्रस्टी मण्डल का गठन वर्तमान आजीवन ट्रस्टियों द्वारा किया जाएगा। मैनेजिंग ट्रस्टी को अनुमोदन के बाद ही सामाजिक व्यक्तियों को ट्रस्टी मण्डल का ट्रस्टी सदस्य बनवाया जा सकता है।
2. ट्रस्ट एवं उसके द्वारा संचालित संस्थाओं के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सचिव कमेटी ने आजीवन ट्रस्टी मण्डल ने ट्रस्टी सदस्यों की नियुक्त संख्या 3 ही सकती है। ट्रस्टी मण्डल में ट्रस्टी सदस्यों की नियुक्त संख्या को बढ़ाने के लिए मैनेजिंग ट्रस्टी का अनुमोदन या ट्रस्टी मण्डल के बहुमत के निर्णय के बाद ही किया जा सकता है।



पं. राजेश कुमार सिंह

Handwritten signature or name at the top left.

Handwritten date: 24-2-2014

TO THE DIRECTOR, CENTRE FOR DISTANCE EDUCATION, UNIVERSITY OF CALICUT

FROM THE DIRECTOR, CENTRE FOR DISTANCE EDUCATION, UNIVERSITY OF CALICUT

RE: [Handwritten subject line]

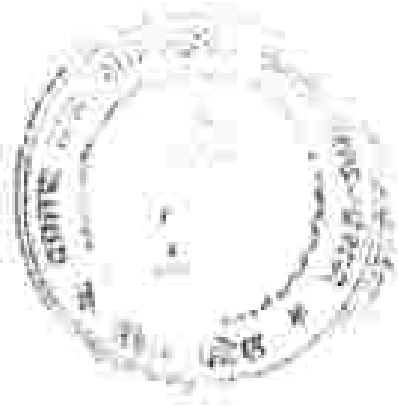
[Handwritten text]

[Handwritten text]

[Handwritten text]

[Handwritten text]

Handwritten notes or a separate document on the right side of the page.





# भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100



ONE HUNDRED RUPEES

₹ 100

भारत INDIA  
INDIA NON JUDICIAL

5) कोषाध्यक्ष

05 AUG 2014

भारत INDIA

5

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BD 819798

3. ट्रस्ट एवं उसके द्वारा समस्त संबंधित संस्थाओं और सह संस्थानों की समस्त सम्पत्ति ट्रस्ट में स्थित होगी। ट्रस्टी मण्डल इन सम्पत्तियों का देखभाल करेगा, प्रबंधन करेगा तथा ट्रस्ट के चर्चेदारों की पूर्ति हेतु इसका उपयोग व उपभोग करेगा। ट्रस्टी मण्डल द्वारा सर्वसम्पत्ति अथवा बहुमत से सिद्ध बचे निधनों के अन्तर्गत सभी कार्य समाहित होंगे।

4. ट्रस्टी मण्डल की पदाधिकारी:

ट्रस्ट की गतिविधियों को सुचारु रूप से संचालन तथा ट्रस्टी मण्डल के गठन हेतु निम्न पद एवं पदाधिकारी होंगे:

अध्यक्ष: श्री 00 पंचकज कुमार सिंह पुत्र स्व. श्री चन्द्रमान सिंह,  
निवासी-400/2752/2 न्यू सीटमतिवाबाग, पोस्ट-अल्तापुर,  
जनपद-इलाहाबाद।

सचिव: श्रीमती इन्दुबाइका सिंह पत्नी श्री 00 चन्द्रमान सिंह,  
निवासी-400/2752/2 न्यू सीटमतिवाबाग, पोस्ट-अल्तापुर,  
जनपद-इलाहाबाद।

कोषाध्यक्ष: श्रीमती रेखा सिंह पत्नी श्री 00 पंचकज कुमार सिंह,  
निवासी-400/2752/2 न्यू सीटमतिवाबाग, पोस्ट-अल्तापुर,  
जनपद-इलाहाबाद।

उपरोक्त पदाधिकारी अपने जीवन काल तक अपने पदों पर बने रहेंगे जब तक कि उन्हें ट्रस्ट द्वारा बहुमत (3/4) से परामर्श न किया जाए। सर्वैव ट्रस्टी मण्डल के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति ट्रस्टी (अध्यक्ष) ही प्रयोग होगा तथा शेष दो अन्य पदों का भरण ट्रस्टी द्वारा ट्रस्टियों में से ही किया जाएगा।

10. ट्रस्टी एवं ट्रस्टी मण्डल की सदस्यता समाप्ति:

1. ट्रस्टी के स्वतः म्र. होने अथवा मृत्यु होने पर।
2. ट्रस्ट के चर्चेदारों के किलरीट कार्य करने पर।
3. वारंशिक अथवा नागरिक रूप से ग्रहण होने पर।
4. अध्यक्ष को किंग लिखित बताये, ट्रस्टी मण्डल की तीन लगातार बैठकों में भाग न लेना।



अल्तापुर

१०० दिनांक

293 ..... दिनांक दिनांक की तिथि..... 22-2-18

पता का प्रमाण.....

पता का प्रमाण.....

पता का प्रमाण.....

पता का प्रमाण.....

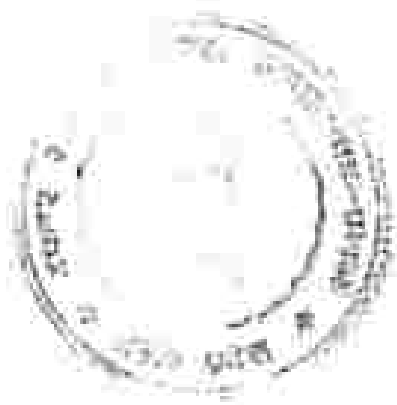
पता का प्रमाण.....

पता का प्रमाण.....

पता का प्रमाण.....

पता का प्रमाण.....

Handwritten notes and scribbles on the right side of the page.



# भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

ONE HUNDRED RUPEES



₹. 100

भारत INDIA  
INDIA NON JUDICIAL

5  
₹. 100  
05 AUG 2014  
भारत  
भारतभारत VEN  
5

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BD 819799

- 6. क्रेडिटिंग ट्रस्टी (अव्यक्त) किसी भी ट्रस्टी को बिना तम बताये उसकी सदस्यता समाप्त कर सकता है तथा उससे स्थान पर किसी अन्य सार्वजनिक व्यक्ति को ट्रस्टी बना सकता है।
- 6. क्रेडिटिंग ट्रस्टी (अव्यक्त) को यह विशेषाधिकार होगा कि वह ट्रस्ट में किसी/किसीसे अधिक पर ट्रस्टियों को नियुक्त करे या न करे।

### 11. ट्रस्टी मण्डल की बैठकें

ट्रस्टी मण्डल की बैठकें में एक बार बैठक आयोजित की जायेगी। आदेशकारता पहले पर ट्रस्टी मण्डल को अन्य बैठकें भी भुक्त सकता है। ट्रस्टी मण्डल की बैठक की तिथित सूचना एवं एजेन्डा कम से कम एक सप्ताह पूर्व प्रत्येक ट्रस्टी को दी जायेगी। आकारिक बैठकें एक दिन की सूचना पर बुलाई जा सकती है। आपत स्थिति में ट्रस्ट समन्धी क्वरित निर्णय क्रेडिटिंग ट्रस्टी द्वारा लिया जा सकता है। विद्यमान ट्रस्टी मण्डल की बैठक बुलाकर अनुमोदन प्राप्त करना अनिवार्य होगा। ट्रस्टी मण्डल की बैठक का बोधन कम से कम 8 सदस्यों की उपस्थिति हो सके। किन्तु स्थापित बैठक के लिए क्वोरम की आवश्यकता नहीं होगी।

### 12. ट्रस्टी मण्डल के पदाधिकारियों के अधिकार एवं दायित्व

#### अव्यक्त

अव्यक्त ट्रस्टी मण्डल की बैठकें को बुलाने के लिए शक्ति को निर्देश देगा तथा सार्वजनिक अवस्था में कार्य करेगा। वह मतदान में भाग नहीं लेगा। वह ट्रस्टी मण्डल के निर्णयों को घोषण करेगा। सदस्य तर्कों की स्थिति में अव्यक्त या निर्णोक्त एवं सर्वमान्य होगा। अव्यक्त अनुपस्थिति में बैठक में उपस्थित परिशुद्धतम ट्रस्टी उससे पदाधिकारों का निर्वाह करेगा अथवा अव्यक्त द्वारा निर्दिष्ट रूप में अधिमूर्त सदस्य को उसके दायित्व का भोजन करेगा।

#### सक्रिय

सक्रिय ट्रस्ट का मुख्य कार्यकारी अधिकारी होगा। वह अव्यक्त के निर्देश पर बैठक बुला करेगा, ट्रस्ट की बैठक की कार्यवाहियों का अधिबोधन करेगा तथा ट्रस्ट के सार्वजनिक व्यक्तियों को ट्रस्ट कार्यालय में सुरक्षित रखेगा। ट्रस्ट की ओर से ट्रस्ट द्वारा स्थापित एवं संघालित संस्थाओं को आवश्यक निर्देश देगा तथा उनका पालन कराना सुनिश्चित करेगा। ट्रस्ट के सार्वजनिक निर्णयों का क्रियान्वयन करेगा। भारतीय न्यायालय, सर्वोच्च अथवा अन्य कहीं भी ट्रस्ट का प्रतिनिधित्व करेगा। ट्रस्टी मण्डल के निर्णय अनुसार ट्रस्ट द्वारा संघालित संस्थाओं, गैर कर्तारियों के पदों का सृजन करेगा, उनका नियुक्त, उनका वेतन, परिश्रमिक, कर्तव्य तथा



भारतभारतभारत

Handwritten text at the top left, possibly a name or title.

Handwritten text, possibly a date or reference number, including "23-2-2010".

Multiple lines of handwritten text, including a signature and some illegible characters.

A rectangular stamp or official seal with some illegible text inside.



# भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

ONE HUNDRED RUPEES

100



भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

5  
कॉलेज  
भारत  
05 AUG 2014  
जयपुर  
इलाहाबाद VEN  
5

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BD 819800

दैनिक मजदूरी का निर्धारण आदि कार्य करने तथा उसकी सूचना सम्बन्धित संस्था के अध्यक्ष को देना। वह ऐसे समस्त कार्य एवं दायित्वों का निर्वहन करेगा, जो उसे ट्रस्टी मण्डल द्वारा समस्त-समय पर करने के लिए अधिकृत किया जायेगा। सचिव की अनुपस्थिति में कोषाध्यक्ष अथवा सचिव द्वारा लिखित रूप में अधिकृत ट्रस्टी ही पर बैठक में सचिव के दायित्वों का निर्वहन करेगा।

### कोषाध्यक्ष

कोषाध्यक्ष ट्रस्ट की ओर से व्यक्तियों द्वारा दान चन्दर ट्रस्ट सम्पत्तियों का किताब, ट्रस्ट सम्पत्तियों की विलय वनस्पति, सरकारी तथा अर्द्धसरकारी संस्थाओं द्वारा अनुदान, जागतिकीयियों द्वारा प्रदान अनुदान राशि आदि प्राप्त करने तथा उसे ट्रस्ट के बैंक खाते में जमा होने तथा उसका लेखा-जोखा रखेगा। उपरोक्त राशि ट्रस्ट के उद्देश्य पूर्ति हेतु ट्रस्टी मण्डल के निर्देशानुसार उपयोग व उपभोग की जायेगी। ट्रस्ट पर वार्षिक बजट तैयार कर ट्रस्टी मण्डल की वार्षिक बैठक में अमूर्तित हेतु प्रस्तुत करेगा। ट्रस्टी मण्डल के समस्त वित्तीय पत्रकारों पर लेखा-परीक्षण करायेगा तथा उसकी रिपोर्ट ट्रस्टी मण्डल की वार्षिक बैठक में प्रस्तुत करेगा। लेखा एवं बैंक सम्बन्धी समस्त बकायत ट्रस्ट कार्यालय में सुरक्षित रखेगा।

### 12. ट्रस्टी मण्डल के अधिकार

1. किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में अथवा तथा कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षरों से संघालित ट्रस्ट के नाम खाता खोलने हेतु निर्णय लेना।
2. ट्रस्ट द्वारा संघालित संस्थाओं के नियमों, परिचियनों, उद्देश्यों आदि में संशोधन करना, नये नियम बनाना तथा अनुसंधान ही पुके नियमों को समाप्त करना।
3. ट्रस्ट के कार्य हेतु कार्यवाहियों को नियुक्त करना, उनके वेतन व भुगतान करण तथा न्यायोचित कारणों से उन्हें पदच्युत करना।
4. ट्रस्ट द्वारा संघालित संस्थाओं में नियुक्त कार्यवाहियों को अन्य संघालित संस्थाओं में हस्तान्वर्तित (Transfer) करना।
5. ट्रस्ट अथवा उसके द्वारा संघालित संस्थाओं के वार्षिक कार्यवाहियों के विस्तृत विवरण कार्यावली कर उन्हें दायित्व करण तथा उन्हें पदच्युत करना।
6. ट्रस्ट द्वारा संघालित संस्थाओं के प्रबंधन हेतु प्रत्येक समिति के गठन हेतु संविधान/विधानावली बनाना तथा आतम्यता करने पर बने हुए संविधान, नियमावली में संशोधन करना।

पंजाब/सा/मि/

उत्तर :-

23-2-2016

1. संविधान के अनुच्छेद 143 के अंतर्गत  
 2. सर्वोच्च न्यायालय के अध्यक्ष का पद  
 3. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या  
 4. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति  
 5. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवा  
 6. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की शक्तियाँ  
 7. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की उत्तरदायित्व  
 8. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की शक्ति  
 9. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की शक्ति  
 10. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की शक्ति



# भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

ONE HUNDRED RUPEES



भारत INDIA  
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

80 619801

7. ट्रस्ट द्वारा संघटित किनी संस्था की, ट्रस्ट के उद्देश्यों के विरुद्ध कार्य करने वाली अथवा विघटित प्रबंध समिति को भंग कर उसके स्थान पर दूसरी प्रबंध समिति का गठन करना तथा उसके गठन होने तक संस्था के प्रबंधन ट्रस्टी संघटन के समितियों द्वारा करना।

8. ट्रस्ट द्वारा संघटित संस्थाओं के समस्त बांधी/विवादों का निपटारा करना।

9. ट्रस्ट के विरुद्ध समस्त बांधे का न्यायालय, इलाहाबाद के कार्यक्षेत्र में लीटिंग होना।

14. ट्रस्ट द्वारा संघटित संस्थाओं का परिचालन-

ट्रस्ट द्वारा संघटित विद्यालय, महाविद्यालय एवं अन्य शैक्षिक, सामाजिक विकास संस्थाओं तथा विभिन्न राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय शोधकार्यों के परामर्श एवं अन्य ट्रस्ट सम्बन्धित समितियों के सुचारु प्रचालन हेतु एक प्रबन्धन समिति निम्न प्रकार से गठित होगी। जिसके सदस्यगणों निम्न प्रकार होंगे-

- |  |                 |
|--|-----------------|
| अध्यक्ष - एक                                 | समाजवादी - एक   |
| सदस्य - एक                                   | उपसमाजवादी - एक |
| कोषाध्यक्ष - एक                              | सदस्य - दो      |
| सदस्य संस्था शासन के नियमानुसार              |                 |
| संस्था सर्वोच्च प्रतिनिधि - नियमानुसार भवित। |                 |

उपरोक्त प्रबंध समिति को प्रथम एवं गौण सदस्यों को प्रोडक्टर सेप का भरण ट्रस्टी मण्डल द्वारा नियोजित ट्रस्टी की सेवा-सेवा में अपने में से ही 5 वर्ष के लिए किया जाएगा। यदि कोई पर नये परामर्शकारी का गठन ट्रस्टियों से होता दिखे जाने को सहायकता प्राप्त हो जाया है तो उस पर नये परामर्शकारी का गठन ट्रस्टियों में से ट्रस्टी मण्डल द्वारा बहुमत से हो कर अपनी के लिए किया जाएगा। प्रबंध समिति की सेवा-सेवा में दो बार होती आवश्यकता पडने पर तथा सेवा-सेवा में हो सकती है। जिसके लिए स्थान एक सप्ताह पूर्व सदस्यों को प्रबन्धक द्वारा विना साक्षरता, आवश्यकता पडने पर आवश्यकता सेवा करी में एक दिन की सूचना पर सुचारु का सकती है। आवश्यकता में उपरोक्त द्वारा उपरोक्त से निर्मित तथा हो सकता है। जिसका बांध में प्रबंध समिति का अनुमोदन अनिवार्य होगा। उस प्रबंध समिति के समस्त निर्णयों में ट्रस्टी मण्डल को अवगत वातावरण पत्रादि सहायक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। उसके बाद ही वह उसे



Handwritten signature or text at the bottom right.

10/10/20

1. The first part of the document is a list of items.  
2. The second part is a list of items.  
3. The third part is a list of items.  
4. The fourth part is a list of items.  
5. The fifth part is a list of items.  
6. The sixth part is a list of items.  
7. The seventh part is a list of items.  
8. The eighth part is a list of items.  
9. The ninth part is a list of items.  
10. The tenth part is a list of items.





# भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

ONE HUNDRED RUPEES



सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

₹ 100

05 AUG 2014

मुद्रांकित

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

80 819802

विन्यासित कर सकता है। ट्रस्टी मण्डल के निर्णयानुसार किसी राष्ट्रीयकृत बैंक/भारतीय प्रभु बैंक में सत्या के नाम खाता खोलवाये। जिसका संचालन प्रबन्धक एवं प्रोप्रायटर्स के समुदाय द्वारा होगा।

### 15. प्रबन्ध समिति के उपाध्यक्षों के अधिकार एवं दायित्व

#### सैन्यिक ट्रस्टी (अध्यक्ष):

प्रबन्ध समिति को बैठकों को आहूत करने के लिए प्रबन्धक को निर्देश देना, बैठकों की अध्यक्षता करना, समिति के निर्णयों की घोषणा करना। अनिर्णय की स्थिति में बैठक को कार्यकारी ट्रस्टी मण्डल को संशोधित करना तथा उसके निर्णय प्राप्त होने पर सहायक सदस्यों को निर्णय से अवगत करने के लिए प्रबन्धक को निर्देशित करना। उसके बाद ही प्रबन्धक उसे कार्यान्वित कर सकता है।

#### उपाध्यक्ष

अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उनके दायित्वों का निर्वहन करेगा।

#### प्रबन्धक:

प्रबन्धक अध्यक्ष के निर्देश पर प्रबन्ध समिति की बैठक आहूत करेगा तथा बैठक की सूचना एक सप्ताह पूर्व सदस्यों को प्राप्त करवायेगा। वह संस्था का मुख्य कार्यकारी अधिकारी होगा। वह बैंक से जेम-डेन, पत्र आवाज, व्यापारिक कार्य, निगमितायां, वेतन वितरण, अन्य-विवरण अनुपस्थानात्मक कार्यवाहियों जस्टि करेगा। वह बैंक की कार्यकारी का अधिकारपूर्ण अधिकार तथा उसकी सम्बन्धित समस्त भवितव्यों का रक-उत्पाद करेगा। संस्था अध्यक्ष प्रबन्ध समिति में किसी प्रकार के विवाद में सामना में वह ट्रस्टी मण्डल को अपनी रिपोर्ट प्रेषित करेगा तथा ट्रस्टी मण्डल द्वारा दिये गये निर्णय को कार्यान्वित करेगा।

#### उपप्रबन्धक:

प्रबन्धक की अनुपस्थिति में उनके समस्त दायित्वों का निर्वहन करेगा।

#### सहायक:

निर्णयों का संचालन करना, निर्णय की प्रतिलिपि का निहित विषयों का अनुसूची प्रदान करना, बैंक खाते का लेखा-जोखा रखना।



सत्यमेव जयते

प्रमाणिका

दिनांक २२-२-२०१६

राज्य सरकार का प्रधान

राज्य सेवा का कर्मचारी

नाम: श्री. वि. ए. सिंह (P.E.) राज्य सेवा

राज्य सेवा का कर्मचारी

राज्य सेवा का कर्मचारी

पता: ३१-३ का कर्मचारी





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BO: 819203

16. ट्रास्ट अधिनियम के अन्तर्गत

ट्रस्टी बनवाने के लिए आवश्यक कर्तव्य

जिसके अन्तर्गत ट्रस्टी को निम्नलिखित कार्य करने पड़ेंगे।

1. ट्रस्ट अधिनियम के अन्तर्गत ट्रस्ट बनवाने के लिए आवश्यक कर्तव्य

जिसके अन्तर्गत ट्रस्टी को निम्नलिखित कार्य करने पड़ेंगे।

1. ट्रस्ट अधिनियम के अन्तर्गत ट्रस्ट बनवाने के लिए आवश्यक कर्तव्य

जिसके अन्तर्गत ट्रस्टी को निम्नलिखित कार्य करने पड़ेंगे।

पंजीकृत

श्री. वि. वि. वि.

पता-1. दिल्ली, राजधानी क्षेत्र

पता-2. दिल्ली-110001

पता-3. दिल्ली, विवेकानंद कॉलोनी, प्लॉट नं. 1

पता-4. दिल्ली, आशा सोनी रोड

पता-5. दिल्ली, कानूनी सलाहकार

श्री. वि. वि. वि.

श्री. वि. वि. वि.

श्री. वि. वि. वि.

श्री. वि. वि. वि.

Handwritten text at the top left corner.

23-2-18

प्रा. ....  
प्रा. ....  
प्रा. ....  
प्रा. ....  
प्रा. ....

Handwritten signatures and notes in the upper right section.

विषय: ...

दिनांक: ...

06/02/2015

...

...

...

...

Handwritten signature in red ink.

(Date)

